जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

19/12/2024

प्रेस विज्ञप्ति

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के लिए कौशल विकास पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शुरू हुआ

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मीर अनीस हॉल में आज "अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के लिए कौशल: सतत विकास और आर्थिक लचीलेपन के मार्ग" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट (आईआईएमएडी), तिरुवनंतपुरम, केरल के सहयोग से दिनांक 19-20 दिसंबर 2024 को किया जा रहा है। सम्मेलन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र द्वारा प्रायोजित है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष, प्रो अशरफ इलियान ने अपने स्वागत वक्तव्य में जामिया मिल्लिया इस्लामिया का एक संक्षिप्त इतिहास साझा किया, जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग ढांचे में इस विश्वविद्यालय द्वारा हासिल किए गए रैंक भी शामिल हैं। उन्होंने विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह के आयोजनों का उल्लेख किया, जिसमें विभाग द्वारा लगातार तीन वर्षों तक आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल हैं, जिसमें वर्तमान में आयोजित सम्मेलन भी शामिल है। उन्होंने भारत और विदेश के विभिन्न भागों से पधारे गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सम्मेलन संयोजक डॉ मोहम्मद काशिफ खान ने सम्मेलन के बारे में परिचय दिया और अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के कुछ मुख्य पहलुओं को साझा किया। उन्होंने ओईसीडी देशों (उच्च कौशल) और खाड़ी देशों (अर्ध-कौशल) में आवश्यक विभिन्न कौशलों को इंगित किया और व्यापक आर्थिक और सूक्ष्म आर्थिक प्रभावों के बीच अंतर का उल्लेख किया- जैसे कि कौशल सहित शिक्षा तक पहुंच में सुधार। उन्होंने यह भी कहा कि यदि युवा सही कौशल से लैस हों तो भारत जनसांख्यिकीय लाभांश से महत्वपूर्ण लाभ उठा सकता है।

जामिया के माननीय कुलपति प्रो मजहर आसिफ ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में यह बताया कि उन्होंने एक भाषाविद् और सामाजिक वैज्ञानिक के रूप में प्रवासन का अध्ययन किया है। उनके अनुसार, प्रवासन का लंबा इतिहास साझा संस्कृति, भाषा और निवास स्थान की ओर इंगित करते हुए विभिन्न भाषाओं के बीच समानता से देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार करने वाली समिति के एक सदस्य के रूप में उन्होंने बल देते हुए कहा कि कौशल विकास इसके मूल में है। उन्होंने यह कहा कि जामिया के प्रत्येक छात्र के पास विश्वविद्यालय से पास आउट होते समय कुछ न कुछ कौशल होना चाहिए। उन्होंने सम्मेलन के आयोजकों को बधाई दी। जामिया के कुलपति द्वारा प्रो इरुदया राजन द्वारा लिखित सम्मेलन के सार और प्रवासन रिपोर्ट 2023 की एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, आईआईएमएडी के संस्थापक अध्यक्ष, प्रो इरुदया राजन ने इस बात को साझा किया कि सम्मेलन के बारे में कैसे सोचा गया, और इसके उद्देश्यों के बारे में और खास तौर से

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन के बारे में गंभीर चर्चा करने के लिए पेशेवर, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाने के बारे में विचार किया गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत पहले प्रकार के जनसांख्यिकीय लाभांश (मात्रात्मक) से लाभान्वित हो रहा है, लेकिन दूसरे प्रकार (गुणात्मक) से नहीं, इसके लिए कौशल विकास की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि एक राज्य (जैसे, केरल) के मजदूर खाड़ी देशों में जा रहे हैं, और उनके स्थान पर दूसरे राज्य (जैसे, ओडिशा) के मजदूर पलायन कर रहे हैं। उन्होंने इसे 'प्रतिस्थापन प्रवासन' कहा। उनकी राय में, प्रवासन पहले से ही राजनीति का एक विषय बन गया है और वह भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, जैसा कि हाल के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में देखा गया, और भारत में कई भारतीय राज्यों में 'सन अऑन दिन सॉयल' तर्क के माध्यम से देखा गया। उन्होंने पाया कि समय के साथ प्रवासन पर शोध करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है, और विशेष रूप से कोविड महामारी के उपरांत से। उन्होंने 'प्रवास जनगणना' का आह्वान किया जिस पर आंध्र प्रदेश में पहले से ही चर्चा चल रही है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर प्रो अमिताभ कुंडू ने अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में प्रवासन पर विस्तृत डेटा की अपर्याप्तता और डेटा जारी करने में देरी की ओर इशारा किया, जिसका बहुत कम महत्व है। उनके अनुसार, जिले से जिले में प्रवासन डेटा शोधकर्ताओं के लिए बहुत मददगार होगा जिसे जनगणना आयुक्त के कार्यालय के थोड़े ही प्रयास से एकत्रित किया जा सकता है।

जामिया के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो मोहम्मद मुस्लिम खान ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने वाले अधिकांश लोग प्रवासी हैं। उन्होंने प्रवासियों के साथ होने वाले विभिन्न प्रकार के दुर्व्यवहारों और शोषण के बारे में बताया। उन्होंने मेजबान और गंतव्य देशों की सरकारों के बीच प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बीच संबंध की ओर भी इशारा किया। सम्मेलन सचिव डॉ. मोहम्मद जकारिया सिद्दीकी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्घाटन समारोह के अतिरिक्त सम्मेलन में तीन पूर्ण सत्र और छह तकनीकी सत्र होंगे जिनमें प्रख्यात अर्थशास्त्री, नीति निर्माता और पेशेवर सम्मेलन के विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया